स्वाधीनता दिवस **15** अगस्त **2019** के अवसर पर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

हिन्दुस्तान कॉपर के मेरे प्रिय सहकर्मियों तथा ताम्र परिवार के सभी सदस्य, प्यारे बच्चों, देवियों एवं सज्जनों, आप सब लोगों को मेरा नमस्कार।

73वें स्वाधीनता दिवस के हर्षोल्लास में आप सभी के साथ शामिल होकर मुझे हर्ष हो रहा है। मेरी ओर से आप सभी को इस शुभ अवसर पर हार्दिक बधाइयाँ।

इस हर्षोल्लास के अवसर पर, हम अपने स्वाधीनता संग्रामियों तथा राष्ट्रीय नेताओं के अतुल्य बलिदानों को स्मरण कर अपनी श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने भारत के प्रति अपने असीम प्रेम के आधार पर हमें हमारी आज़ादी दी। उनके बलिदान हमें सदा प्रेरित करते रहेंगे। अपने स्वाधीनता संग्रामियों के प्रति कृतज्ञता के ऋण से हम कभी उऋण नहीं हो सकते हैं।

प्रिय सहकर्मियों ! संगठन का उत्थान करने एवं उत्कृष्टता प्राप्त करने के पीछे मूल सिद्धांत होता है : कार्य में समन्वयन तथा उद्देश्यों की एकरूपता का होना। एचसीएल, जो कि भारत की एकमात्र एकीकृत तांबा खनन कम्पनी है, व जिसके पास भारत के कुल तांबे के संसाधन का दो-तिहाई अंश है, इसे अपने कार्य-क्षेत्र के घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी, यह समय की मांग है।

कहा जाता है कि - **"हजारों मीलों की यात्रा भी पहले कदम से ही प्रारम्भ होती है"।** हमारी खान विस्तार परियोजनाएँ, कम्पनी द्वारा बड़ी आशा एवं अंत में सफलता की कामना सहित उठाए गए ऐसे ही सहज कदम हैं। सतत विकास हमारे व्यवसाय का मॉडल है तथा इसी प्रयास में पूरी मूल्य श्रृंखला के सभी क्षेत्रों में विकास करते जाना हमारा ध्यानबिंदु होगा। देश की एकमात्र तांबा खनन कम्पनी होने के कारण, हमारा राष्ट्र के प्रति कर्तव्य

है कि हम खानों से तेजी से उत्पादन बढ़ा कर तांबा धातु की मांग के अनुरूप उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करें।

पिछले वित्त वर्ष में नए कीर्तिमान स्थापित करके कम्पनी का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। **कम्पनी ने अभी तक की सर्वाधिक आय (ऑपरेशनों से राजस्व) अर्जित की है।** तांबा अयस्क का 41.22 लाख टन का उत्पादन पिछले 21 वर्षों में सर्वाधिक रहा है, जिसमें मलांजखण्ड कॉपर प्रोजेक्ट (एमसीपी) ने प्रारम्भ से अब तक का सबसे अधिक उत्पादन हासिल किया है। वित्त वर्ष के दौरान सम्पूर्ण मार्जिन बढ़ कर 29.66% हुई, जो कि पिछले वर्ष 18.44% थी। यनि इसमें 60.84% प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इकाइयों की लाभप्रदता के मामले में, मैं उल्लेख करना चाहूँगा कि मलांजखण्ड ने, जो कि कम्पनी की ध्वजावाही परियोजना है, लगातार लाभ दर्शाया है तथा इसी बीच खेतड़ी की इकाइयों से लाभ हुए हैं और लगातार वृद्धि होती जा रही है। मेरा विश्वास है कि घाटशिला की इकाई शीघ्र ही लाभप्रद हो जाएगी, जब इसकी सुरडा एवं केंदाडीह खानों से उत्पादन बढ़ेगा तथा चापरी-सिधेश्वर एवं राखा खानों से उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। हमने तालोजा एवं जीसीपी इकाइयों की क्षमता का उपयोग बढ़ाने के लिए, समुचित कच्चे माल की खरीद करने की दिशा में पहल की है तथा इसके लिए 'टोलिंग' के बारे में भी विचार किया है।

मैं इस अवसर पर आप में से प्रत्येक की, यूनियनों एवं उत्पादन गतिविधियों से जुड़े ठेकाश्रमिकों सहित सभी की प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने उपरोक्त उपलब्धि को सम्भव किया। आपके समर्पण एवं कठिन परिश्रम के बिना यह सम्भव नहीं था। इस अवसर पर, कम्पनी में समंजस्यपूर्ण एवं शांतिपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाए रखने में सभी यूनियनों द्वारा दिए गए सम्पूर्ण सहयोग की मैं प्रशंसा करना चाहूँगा। यूनियनों तथा प्रबंधन के बीच किसी भी स्तर पर, किसी भी प्रकार के मतभेद कभी नहीं रहा।

पर, इससे खुश होकर बैठ जाने की कोई गुंजाइश हमारे पास नहीं है, क्योंकि वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही में हमारा प्रदर्शन में गिरावट आई है। यद्यपि हमारा अयस्क उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8% अधिक ही रहा है, हमारा सांद्रित

धातु उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अयस्क की ग्रेड में 20% की भारी गिरावट के कारण कम हुआ है।

देवियों एवं सज्जनों! हमारी खेतड़ी की इकाई के सम्मुख भयंकर जल-संकट है, जिसके कारण पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में एम.आई.सी. के उत्पादन में कमी आई है। कम्पनी के प्रबंधन ने इस मामले में केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों के उच्चतम स्तरों तक राज्य सरकार द्वारा जल आपूर्ति के कोटे में वृद्धि किए जाने हेतु सम्पर्क किया है। इस अवसर पर मैं खेतड़ी एवं कोलिहान के टाउनशिपों में स्थित हमारे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को इस विकट जल संकट का कष्ट का सहन करने हेतु साधुवाद देता हूँ। हमें, जल की मांग एवं आपूर्ति के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए जल-संरक्षण करने हेतु इसकी खपत एवं बर्बादी को घटाने हेतु, नए तरीकों को अपनाना होगा।

इस वित्त वर्ष में अयस्क उत्पादन का लक्ष्य 51.0 लाख टन रखा गया है। यह चुनौतीपूर्ण अवश्य है, पर असम्भव नहीं। मेरा सभी कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे पूरे उत्साह के साथ तथा स्वामित्व की भावना सहित इन उपलब्धियों की पूर्ति हेतु कार्य करें।

प्यारे दोस्तों ! जैसा कि आप सभी जानते हैं, एलएमई पर तांबे के मूल्य अत्यंत परिवर्तनशील प्रकृति के होते हैं तथा कम्पनी की लाभप्रदता इसकी चाल से बहुत प्रभावित होती है। कम एलएमई मूल्यों की परिस्थिति में, कम्पनी की स्थिति को बनाए रखने के लिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि कम्पनी अपने एम. आई.सी. के उत्पादन को युद्धस्तर पर बढ़ाए।

प्रिय सहकर्मियों ! वित्त वर्ष 2019-20 हमारी चल रही खान विस्तरण परियोजनाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा, क्योंकि इसी दौरान मलांजखण्ड भूमिगत खान से व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ होगा, जिसके प्रचालन के लिए अनुबंध किया गया है। साथ ही में, घाटशिला की चापरी-सिधेश्वर एवं राखा परियोजनाओं से भी कार्य प्रारम्भ करने की योजना भी है।

हमारे मूल व्यवसाय के अलावा, हमने कम्पनी में गैर-एलएमई राजस्व स्त्रोत प्रारम्भ करने के लिए परियोजनाएँ निर्धारित कर ली हैं। कॉपर ओर टेल्स में से बालू, मैग्नेटाइट,

तांबा एवं बहुमूल्य धातुओं की निकासी तथा मलांजखण्ड परियोजना की वेस्ट रॉक (अपशिष्ट चट्टानों) की बिक्री करने की दो परियोजनाएँ हाथों प्रगति पर हैं।

आने वाले दिनों में, कम्पनी की सौर ऊर्जा द्वारा ऊर्जा आपूर्ति करने की योजना है। हमारी योजना है कि घाटशिला एवं केसीसी में सम्मिलित, 1 मेगावॉट से अधिक क्षमता वाले संयंत्रों को वहाँ खाली पड़ी जगहों पर स्थापित किया जाए। वर्तमान में हमारे पास 500 किलोवाट सौर ऊर्जा की क्षमता है।

हमारी खान विस्तरण परियोजनाओं के पूरी होने पर, देश में वर्तमान मांग की 4% पूर्ति के स्तर से बढ़ कर 30% हो जाएगी। विस्तरण योजना में तांबे के अतिरिक्त भण्डारों एवं संसाधनों का सृजन करके खान की आयु को बढ़ाने हेतु एक्सप्लोरेशन पर जोर दिया गया है। मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा कि वर्तमान वित्त वर्ष के लिए, कोलिहान खान के लिए 5,500 मीटर तथा सुरडा खान के लिए 8,800 मीटर तक की एक्सप्लोरेशन -ड्रिलिंग का काम एमईसीएल के द्वारा पूरा किया जाएगा।

एचसीएल को अपनी गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों में सम्मान प्राप्त हो रहा है। सीएसआर के क्षेत्र में कुछ उपलब्धियों का उल्लेख करना चाहूँगा :

i. एचसीएल को नैशनल अवार्ड्स फॉर एकसलेंस इन सीएसआर एण्ड सस्टेनेबिलिटी में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर इम्पैक्ट इनीशिएटिव 2018 पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

ii. आईसीसी रिफाइनरी की क्वालिटी सर्कल टीम "सहयोग" को कोलकाता में आयोजित चैप्टर कॉन्वेंशन ऑन क्वालिटी सर्कल (सीसीक्यूसी) में स्वर्ण वर्ग के विजेता का पुरस्कार प्राप्त हुआ है तथा नैशनल कॉन्वेंशन ऑन क्वालिटी सर्कल (एनसीक्यूसी) में अति-उत्तम का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

iii. एचसीएल को भारत में सर्वश्रेष्ठ 30 कौशल विकास परियोजनाओं में सफल होने के लिए "स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट" का सम्मान दिया गया है। इसके अलावा, इसे कौशल विकास परियोजना के लिए स्कॉच पुरस्कार "स्किल डेवलपमेंट गोल्ड" के द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

iv. आईसीसी, घाटशिला की सुरडा खान को विस्फोटकों के भण्डारन, परिवहन एवं उपयोग के लिए ऑल इण्डिया अंडरग्राउंड मेटल माइनंस सेफ्टी, कलेनलीनेस एण्ड सिलिकोसिस जागरूकता सप्ताह, 2018 के दौरान प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

v. एचसीएल को पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित पीआरएसआई नैशनल अवार्ड समारोह में इसकी निगमित फिल्म (अंग्रेज़ी) के लिए तृतीय पुरस्कार तथा कॉफ़ी टेबल बुक (अंग्रेज़ी) के लिए भी तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

लाभप्रद स्थिति में बने रहने के लिए हमें अपने उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाना होगा, साथ ही में लागत को कम करना होगा। चूंकि ताम्र उत्पादन में जल की काफी आवश्यकता होती है, जल-संरक्षण हमारे लिए सदा ध्यान में रखे जाने का विषय होना चाहिए।

मेरा आप लोगों से अनुरोध है कि आप प्रचालनीय सुधार, उत्पादन में वृद्धि, व्यय को कम करने आदि संबंधी अपने सुझावों को लेकर आगे आएँ। हम प्रयास करेंगे कि संगठन के विकास एवं सुधार हेतु उपयुक्त सुझावों को अपनाएँ एवं क्रियान्वित करें।

कम्पनी की समृद्धि में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है। हम में से प्रत्येक व्यक्ति को आत्म-मंथन करना होगा तथा अपनी खामियों को दूर करना होगा। इससे हम आने वाले समय में एक बेहतर टीम बन कर उभर सकेंगे।

अंत में ... आइए, साथ मिल कर शपथ लें कि हम हाथ से हाथ मिला कर एवं अपने पूरे तन-मन से प्रत्यक्ष रूप से हमारे संगठन एवं परोक्ष रूप से राष्ट्र के लक्ष्यों तथा विज़न के उद्देश्यों की पूर्ति का प्रयास करेंगे।

जय हिंद !

(संतोष शर्मा)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

15.08.2018